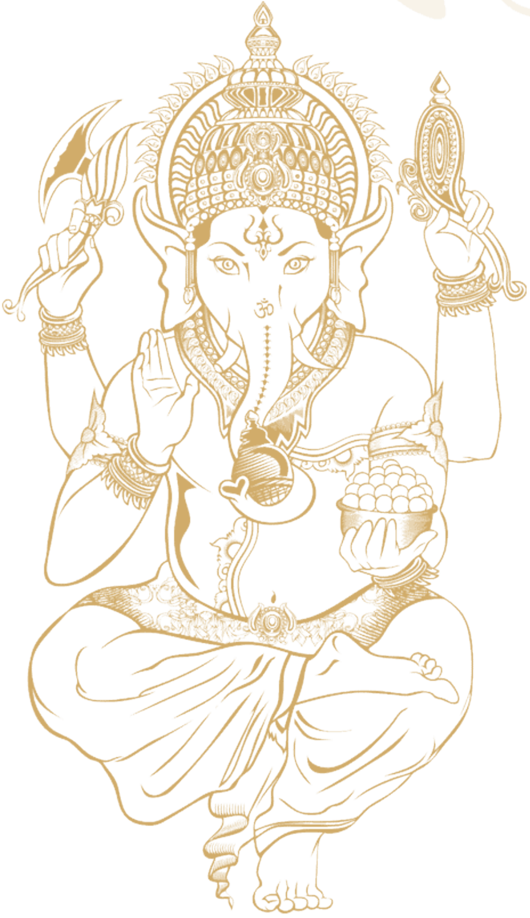

Jitender

Anita

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121341301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121341301 Date: 20/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/12/1992	जन्म तिथि	3-04/07/1994
शनिवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 17:27:00	जन्म समय	00:18:00 घंटे
घटी 25:22:42	जन्म समय(घटी)	47:18:26 घटी
India	देश	India
Solan	स्थान	Solan
30:54:00 उत्तर	अक्षांश	30:54:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व	रेखांश	77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:17:55	सूर्योदय	05:22:37
17:26:10	सूर्यास्त	19:28:41
23:45:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:03
मिथुन	लग्न	मीन
बुध	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मकर	राशि	मेष
शनि	राशि-स्वामी	मंगल
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	भरणी
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	3
व्याघात	योग	धृति
तैतिल	करण	बव
जी-जीवन	जन्म नामाक्षर	ले-लेखा
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
नकुल	योनि	गज
मनुष्य	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	मृग

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 3मा 5दि		12:13:33	मिथु	लग्न	मीन	21:47:49	शुक्र 9वर्ष 8मा 19दि	
राहु		11:12:51	धनु	सूर्य	मिथु	17:49:03	मंगल	
02/04/2010		09:24:38	मक	चंद्र	मेष	20:11:09	23/03/2020	
02/04/2028		28:42:15	मिथु व	मंगल	वृष	06:06:22	24/03/2027	
राहु	14/12/2012	25:33:32	वृश्चि	बुध व	मिथु	06:00:03	मंगल	19/08/2020
गुरु	09/05/2015	19:13:02	कन्या	गुरु	तुला	10:59:17	राहु	07/09/2021
शनि	15/03/2018	26:44:09	मक	शुक्र	कर्क	27:40:30	गुरु	14/08/2022
बुध	01/10/2020	22:01:13	मक	शनि व	कुंभ	18:31:33	शनि	23/09/2023
केतु	20/10/2021	27:43:31	वृश्चि व	राहु	तुला	29:04:00	बुध	19/09/2024
शुक्र	20/10/2024	27:43:31	वृष व	केतु	मेष	29:04:00	केतु	15/02/2025
सूर्य	13/09/2025	23:34:54	धनु	हर्ष व	मक	01:06:35	शुक्र	17/04/2026
चन्द्र	15/03/2027	24:23:10	धनु	नेप व	धनु	28:28:15	सूर्य	23/08/2026
मंगल	02/04/2028	00:40:06	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	01:46:57	चन्द्र	24/03/2027

व - वक्री   स - स्थिर
अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:50   चित्रपक्षीय अयनांश   23:47:03

लग्न-चलित

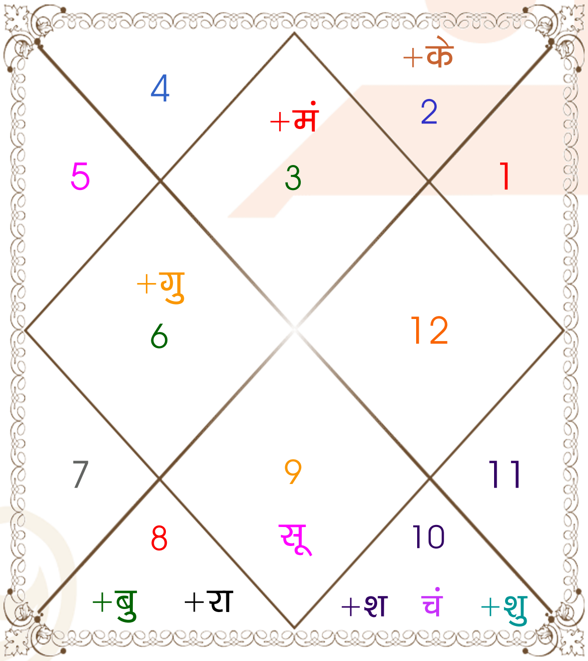

लग्न-चलित

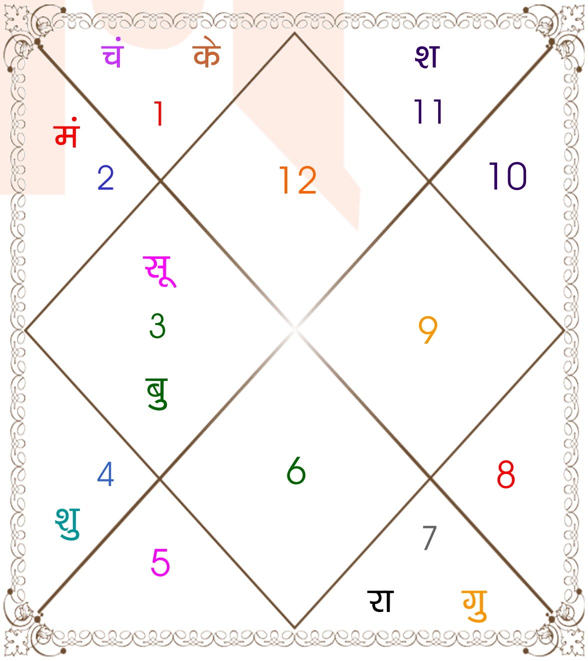

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का ॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	नकुल	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

कुल : **28.5 / 36**

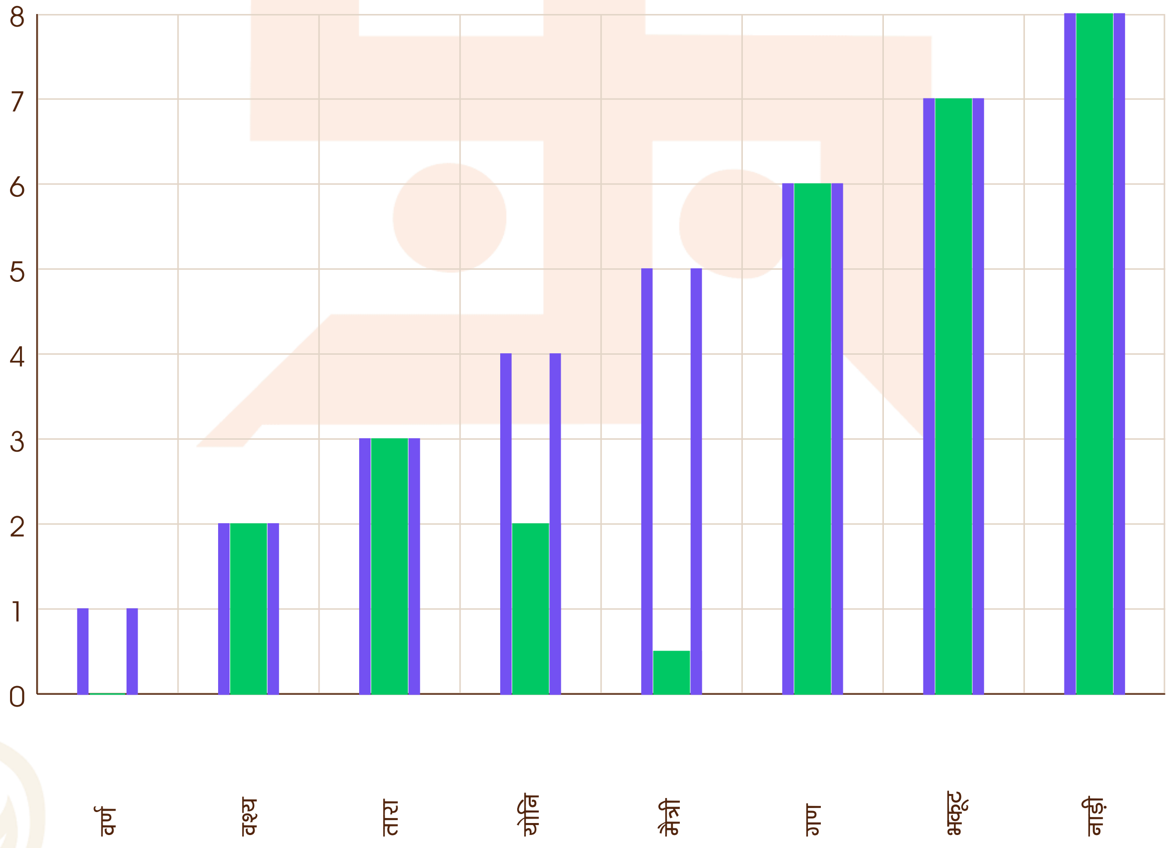

शर्मा डा.जगदीश
नव्वव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Jitender का वर्ग सिंह है तथा Anita का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jitender और Anita का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Jitender मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Anita मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Anita कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jitender तथा Anita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का◌ॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Jitender का वर्ण वैश्य है तथा Anita का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Anita का वर्ण Jitender के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Anita अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Anita को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Jitender का वश्य चतुष्पद है एवं Anita का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Jitender एवं Anita दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

Jitender की तारा सम्पत तथा Anita की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Jitender एवं Anita दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Anita एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Jitender की योनि नकुल है तथा Anita की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Jitender का राशि स्वामी Anita के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Anita का राशि स्वामी Jitender के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Jitender का गण मनुष्य तथा Anita का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Jitender से Anita की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Anita से Jitender की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Jitender परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Anita घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

नाड़ी

Jitender की नाड़ी अन्त्य है तथा Anita की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का॑लर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Jitender की राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Anita की राशि अग्नितत्व युक्त मेष है। भूमि एवं अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके दाम्पत्य संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन में भी यदा कदा समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Jitender की राशि का स्वामी शनि तथा Anita की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम तथा शत्रु अतः Jitender और Anita के परस्पर संबधों में अनावश्यक मतभेद के कारण तनाव तथा कटुता का भाव विद्यमान होगा। यद्यपि Anita की प्रवृति इसमें उदासीन रहेगी लेकिन Anita द्वारा समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा भी कमियों पर विशेष ध्यान देने से विरोध के भाव में वृद्धि होगी तथा परिवार में अशांति का वातावरण बनेगा। अतः यदि Jitender और Anita सामंजस्य की प्रवृति का अनुसरण करें तो वैवाहिक जीवन में सुखद क्षणों की वे प्राप्ति करने में सफल हो सकते हैं।

Jitender और Anita की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति के भाव की उत्पति होगी तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने में प्रवृत होंगे। साथ ही परस्पर आत्म समर्पण का भाव भी रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Jitender का वश्य जलचर तथा Anita का वश्य चतुष्पद है। जलचर तथा चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में भिन्नता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं अलग अलग रहेंगी। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे परेशानी उत्पन्न होने की संभावना रहेगी।

Jitender का वर्ण वैश्य तथा Anita का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Jitender की प्रवृति धनार्जन संबधी कार्यो में होगी तथा धन को वे विशेष महत्व प्रदान करेंगे परन्तु Anita सामान्य रूप से पराक्रमी तथा साहसी कार्यो को करने में सफल होंगी। अतः यदा कदा परस्पर कार्य संबधी मतभेद भी हो सकते हैं।

धन

Jitender की तारा सम्पत तथा Anita की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Jitender सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Anita के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई

दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Jitender और Anita को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Anita का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Jitender की नाड़ी अन्त्य तथा Anita की नाड़ी मध्य है। अतः नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका इनके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा परन्तु मंगल का Anita के स्वास्थ्य पर विशेष अशुभ प्रभाव रहेगा। इससे वे रक्त या पित संबधी परेशानियां प्राप्त करेंगी तथा गुप्त या धातु संबधी रोगों का भी उन्हें सामना करना पड़ सकता है। साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः इन प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए Anita को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Jitender और Anita का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Jitender और Anita के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Anita के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Anita को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Anita को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Jitender और Anita सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Jitender और Anita का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Anita के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्का ॅलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Anita धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Anita के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Anita का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Anita से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Jitender के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही Jitender उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण Jitender के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com